मतदान के प्रति जागरूकता जरूरी - प्रो. आलोक मिश्र

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

▪ दास्ताने भीलवाड़ा @ चित्तौड़गढ़

भारत के कृषकों, मजदूरों और आम आदमी ने निरन्तर उन्नति के पथ पर पहुँचाया है। हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि सरकारें शासक नहीं बल्कि जनप्रतिनिधिक व्यवस्था है। जिसमें जनता और उनके मत निर्णायक होते हैं। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. आलोक मिश्र ने कही। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों पर मतदाता का नियंत्रण बना रहे इसके लिये शत प्रतिशत मतदान बेहद जरूरी है। संगम विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. बी. डी. भटनागर ने मतदान की अनिवार्यता पर बोलते हुए कहा कि मतदान के प्रति अभी भी भारत में हम अधिक जागरूक नहीं है। विधि विभाग के छात्रों क सुझान देते हुए उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में आपकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आर. एन. टी. लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सैम जे अब्राहम ने मतदान के प्रति जागरूकता में सबसी बड़ी बाधा इसकी शक्ति के प्रति अज्ञानता को बताया। हममें से कई नागरिक न तो विभिन्न राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्रों, न तो सरकारी योजनाओं और नीतियों का ध्यान से अध्ययन करते हैं। यही कारण है कि मतदान के प्रति सम्यक दृष्टिकोण भी पनप नहीं पाता और मतदान के प्रति उदासीनता बढ़ती जाती है। इसलिए विद्यार्थियों को इस ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने चाहिए। स्वागत भाषण गीतांजली शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष लविना चपलोत ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थीयों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुणा दुबे, डॉ. महेश दुबे, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, सुप्रिया चौधरी, सुगम तेंवर, इबाशीष, राखी सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मतदान के प्रति जागरूकता जरूरीः प्रो. आलोक मिश्र

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

सच मीडिया

चित्तौड़गढ़। भारत के कृषकों, मजदूरों और आम आदमी ने निरन्तर उन्नति के पथ पर पहुँचाया है। हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि सरकारें शासक नहीं बल्कि जनप्रतिनिधिक व्यवस्था है। जिसमें जनता और उनके मत निर्णायक होते हैं। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. आलोक मिश्र ने कही। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों पर मतदाता का नियंत्रण बना रहे इसके लिये शत प्रतिशत मतदान बेहद जरूरी है। संगम विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ

प्राध्यापक प्रो. बी. डी. भटनागर ने मतदान की अनिवार्यता पर बोलते हुए कहा कि मतदान के प्रति अभी भी भारत में हम अधिक जागरूक नहीं है। विधि विभाग के छात्रों क सुझान देते हुए उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में आपकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। आर. एन. टी. लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सैम जे अब्राहम ने मतदान के प्रति जागरूकता में सबसी बड़ी बाधा इसकी शक्ति के प्रति अज्ञानता को बताया। हममें से कई नागरिक न तो विभिन्न राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्रों, न तो सरकारी योजनाओं और नीतियों का ध्यान से अध्ययन करते हैं। यही कारण है कि मतदान के प्रति सम्यक दृष्टिकोण भी पनप नहीं पाता और मतदान के प्रति उदासीनता बढ़ती जाती है। इसलिए विद्यार्थियों को इस ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने चाहिए। स्वागत भाषण गीतांजली शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष लविना चपलोत ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थीयों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुणा दुबे, डॉ. महेश दुबे, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, सुप्रिया चौधरी, सुगम तेंवर, इबाशीष, राखी सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मतदान के प्रति जागरूकता जरूर : प्रो. आलोक मिश्र

मेवाड़ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

चमकता राजस्थान

चित्तौड़गढ़। भारत के कृषकों, मजदूरों और आम आदमी ने निरन्तर उन्नति के पथ पर पहुँचाया है। हमें ये नहीं भूलना चाहिए कि सरकारें शासक नहीं बल्कि जनप्रतिनिधिक व्यवस्था है। जिसमें जनता और उनके मत निर्णायक होते हैं। उक्त बातें मेवाड़ विश्वविद्यालय के विधि विभाग और इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रो. आलोक मिश्र ने कही। उन्होंने आगे कहा कि सरकारों पर मतदाता का नियंत्रण बना रहे इसके लिये शत प्रतिशत मतदान बेहद जरूरी है।

संगम विश्वविद्यालय के विधि विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक प्रो. बी. डी. भटनागर ने मतदान की अनिवार्यता पर बोलते हुए कहा कि मतदान के प्रति अभी भी भारत में हम अधिक जागरूक नहीं है। विधि विभाग के छात्रों क सुझान देते हुए उन्होंने कहा कि इस सन्दर्भ में आपकी जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

आर.एन.टी. लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सैम जे अब्राहम ने मतदान के प्रति जागरूकता में सबसी बड़ी बाधा इसकी शक्ति के प्रति अज्ञानता को बताया। हममें से कई नागरिक न तो विभिन्न राजनीतिक दलों के घोषणा-पत्रों, न तो सरकारी योजनाओं और नीतियों का ध्यान से अध्ययन करते हैं। यही कारण है कि मतदान के प्रति सम्यक दृष्टिकोण भी पनप नहीं पाता और मतदान के प्रति उदासीनता बढ़ती जाती है। इसलिए विद्यार्थियों को इस ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने चाहिए। स्वागत भाषण गीतांजली शर्मा ने तथा धन्यवाद ज्ञापन विधि विभागाध्यक्ष लविना चपलोत ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थीयों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अरुणा दुबे, डॉ. महेश दुबे, डॉ. सुमित कुमार पाण्डेय, सुप्रिया चौधरी, सुगम तेंवर, इबाशीष, राखी सिंह सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

लक्ष्य तक पहुचने के लिए कठोर परिश्रम जरूरी : पंवार

चमकता राजस्थान

बाप (कविकांत खत्री)। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मेघवालों की ढाणी घटोर में बुधवार को वार्षिक उत्सव कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम में बोलते हुए यूथ कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र पंवार ने कहा की विद्यार्थी अपने पढाई का लक्ष्य तय करे तथा उसे प्राप्त करने के लिए कठोर परिश्रम करे। संस्थाप्रधान निक्की चौहान ने विद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस मौके पीईईओ मांगीलाल कुमावत, घटोर सरपंच प्रतिनिधि जमालदीन मेहर, मुकेश सैनी, अंजू जाटव, रितु, किसनाराम, थिरपालराम, तन्नाराम, ठेकेदार टीकम भड़नोवा, बिहारीराम आदि उपस्थित थे।